गंगासागर मेला

स्रोत: द हिंदू

समुद्र का बढ़ता जल स्तर **पश्चिम बंगाल के सागर द्वीप** पर आयोजित होने **वाले गंगासागर मेले के लिये खतरा** बन रहा है इससे **जलवायु परिवर्तन एवं तीर्थयात्रा** के बीच के संबंध पर प्रकाश पड़ता है।

- **गंगासागर मेला: यह कुंभ मेले** के बाद विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मानव समागम है, जो पवित्र **गंगा नदी और बंगाल की खाड़ी के संगम पर मकर संक्रांति** की पूर्व संध्या पर आयोजित होता है।
- **सागर द्वीप:** *????? ????? ?? ?????????? ??* नाम से भी जाना जाने वाला सागर द्वीप कोलकाता से लगभग 120 किमी दूर स्थित है और यह **सुंदरबन द्वीपसमूह में सबसे बड़ा** है, जिसकी जनसंख्या लगभग दो लाख (2011 की जनगणना) है।
- **रेत समूह श्रेणी के अंतर्गत वर्गीकृत इस स्थान तक मुरीगंगा नदी को पार करके पहुँचा जा सकता है।**
- **जलवायु परिवर्तन का प्रभाव:** समुद्र का बढ़ता जल स्तर और **मृदा का कटाव कपिल मुनि मंदिर** (जो कभी मेले का केंद्रीय स्थल था) के लिये खतरा बन रहा है तथा **समुद्र का जल भी उसके करीब पहुँच** रहा है।
    - **मेले हेतु विनिर्माण कार्य से मैंग्रोव के विनाश** के कारण ज्वारीय खतरा बढ़ने से प्राकृतिक अवरोधों की आवश्यकता पर प्रकाश पड़ता है।

और पढ़ें: जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से संरक्षण का अधिकार

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gangasagar-mela-2